>

Title: Need to include 'Rautia', 'Kolh-Teli' and 'Puran' tribes of Jharkhand in the list of Scheduled Tribes.

श्री सुदर्शन भगत (लोहरदगा) ः मैं सरकार का ध्यान झारखंड राज्य सहित देश की उन जातियों की ओर दिलाना चाहता हूं जो कि मूल रूप से जनजाति समाज से संबंधित हैं तथा उनकी वर्तमान सामाजिक और आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। अतः इन जातियों को जनजातियों की सूची में सम्मिलित करने की आवश्यकता क्षेत्रीय जनता द्वारा वर्षों से महसूस की जा रही है। ये जातियां हैं - (1) रौतिया (2) कोल्ह-तेली (3) पुरान जाति। झारखंड राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के पास भी उपरोक्त जातियों के जनजाति होने संबंधित प्रमाण उपलब्ध होंगे। पूर्व में इन जातियों को जनजाति के रूप में स्वीकार करने के संबंध में झारखंड सरकार द्वारा अनुशंसा भी की जा चुकी है। परन्तु अभी तक केन्द्र सरकार ने इस विषय पर कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया है। इसके क्या कारण हैं? जबकि जाति-निर्धारण संबंधित सभी मापदंड इन जातियों को जनजाति होने का प्रमाण देते हैं।

उपरोक्त तीनों जातियों के संदर्भ में मेरा सरकार से अनुरोध है कि कृपया जनहित को ध्यान में रखते हुए इन तीनों जातियों को शीघ्र-अतिशीघ्र जनजाति घोषित किया जाए, जिससे कि इनके जीवन स्तर में सुधार हो सके और यह समाज में ससम्मान अपना जीवनयापन कर सके तथा इनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो सके।